Syllabus

P.G. Classes

2019-20

Class M.A. I/II/III/IV Sem.

Department of Sanskrit
Dr. H.S. Gour Vishwavidyalaya, Sagar (M.P.)
[A Central University]

M. A. I Sem. Sanskrit

Course	Code	Paper Title	L	T	P	C
SAN-CC	121	वैदिक भाषा तथा साहित्य	5	0	0	5
SAN-CC	122	व्याकरण तथा भाषा विज्ञान	5	0	0	5
SAN-CC	123	दर्शन	5	0	0	5
SAN-EC	124	साहित्यशास्त्र तथा सौन्दर्यशास्त्र	4	0	0	4
SAN-EC	125	विशेष कवि भवभूति	4	0	0	4
						19

M. A. II Sem. Sanskrit

Course	Code	Paper Title	L	T	P	C
SAN-CC	221	महाकाव्य	5	0	0	5
SAN-CC	222	नाट्यशास्त्र एवं नाटक	5	0	0	5
SAN-CC	223	गद्य तथा चम्पू काव्य	5	0	0	5
SAN-EC	224	इतिहास तथा संस्कृति	4	0	0	4
SAN-EC	225	संस्कृत में पर्यावरण	4	0	0	4
SAN-OE	226	भारतीय काव्यशास्त्र	2	0	0	2
SAN-OE	227	भारतीय संस्कृति	2	0	0	2
						21

M. A. III Sem. Sanskrit

Course	Code	Paper Title	L	T	P	C
SAN-CC	321	आर्षकाव्य एवं पुराण	5	0	0	5
SAN-CC	322	अर्थशास्त्र एवं धर्मशास्त्र	5	0	0	5
SAN-CC	323	साहित्य सिद्धान्त	5	0	0	5
SAN-EC	324	विशेष कवि कालिदास	4	0	0	4
SAN-EC	325	पाण्डुलिपि विज्ञान	4	0	0	4
SAN-OE	326	नाटयशास्त्र एवं रंगमंच	2	0	0	2
SAN-OE	327	संस्कृत संभाषण एवं अनुप्रयोग	2	0	0	2
						21

M.A. IV Sem. Sanskrit

Course	Code	Paper Title	L	T	P	C
SAN-CC	421	उपनिषद् साहित्य	5	0	0	5
SAN-CC	422	काव्यशास्त्र	5	0	0	5
SAN-CC	423	आधुनिक काव्य	5	0	0	5
SAN-EC	424	उपन्यास, स्तोत्र, मुक्तक तथा सुभाषित	4	0	0	4
SAN-EC	425	संस्कृत में विज्ञान	4	0	0	4
						19

Grand Total = 80 Credits

Syllabus for P.G. Classes

Core Courses

2019-20

Class M.A. I/II/III/IV Sem.

12 Papers of 5 Credits Each = 60 Credits
Three Papers in each Semester

निर्देश :

1. पाठ्यक्रम का नाम – M.A.
2. पाठ्यक्रम की अवधि
   (a) न्यूनतम अवधि –02 वर्ष
   (b) अधिकतम अवधि –03 वर्ष
3. पाठ्यक्रम की संरचना
   (a) कोर प्रश्नपत्रों की संख्या –12
   (b) विद्यार्थी द्वारा चुने गये ऐच्छिक प्रश्नपत्रों की न्यूनतम संख्या = 04
   (c) विद्यार्थी द्वारा चुने गये ओपन ऐच्छिक प्रश्नपत्रों की न्यूनतम संख्या = 02
4. क्रेडिट संख्या –
   (a) कोर प्रश्नपत्र = 12 प्रश्नपत्र X 05 क्रेडिट = 60 क्रेडिट
   (b) ऐच्छिक प्रश्नपत्र = 04 प्रश्नपत्र X 04 क्रेडिट = 16 क्रेडिट
   (c) ओपन ऐच्छिक प्रश्नपत्र = 02 प्रश्नपत्र X 02 क्रेडिट = 04 क्रेडिट

   ———————————————— कुल = 80 क्रेडिट
5. प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का होगा।
6. सभी प्रश्नपत्र पांच इकाईयों में विभक्त होंगे।
7. इकाईयों में से यथायोग्य व्याख्यात्मक, दीर्घ एवं लघु प्रश्न पूछे जाएंगे।

8. अंक विभाजन

मिड सेमेस्टर	–	20 अंक
आन्तरिक आकलन	–	20 अंक
सतत मूल्याकन	–	20 +20 = 40 अंक
सत्रान्त परीक्षा	–	60 अंक
प्रत्येक प्रश्नपत्र के कुल अंक	–	100 अंक

9. प्रदत्त कार्य का मूल्यांकन, प्रस्तुति – 15 अंक

   उपस्थिति – 05 अंक

   उपस्थिति के लिए अंक निम्नलिखित अनुसार होंगे –

   i. 75% और न्यून. : 00 अंक
   ii. > 75% और 80% तक : 01 अंक
   iii. > 80% और 85% तक : 02 अंक
   iv. > 85% और 90% तक : 03 अंक
   v. > 90% और 95% तक : 04 अंक
   vi. > 95% : 05 अंक

10. 75% से कम उपस्थिति होने पर विद्यार्थियों को परीक्षा में सम्मिलित होने की पात्रता नहीं होगी।
11. सत्रान्त परीक्षा देने की पात्रता के लिए विद्यार्थियों की मिड सेमेस्टर परीक्षा तथा आन्तरिक आकलन में उपस्थिति अनिवार्य हैं।
12. **समवर्गी एवं सम्बद्ध विषय**– वेद, वेदांग, ज्योतिष, सिद्धान्त ज्योतिष, नव्यव्याकरण, व्याकरण, मीमांसा, नव्यन्याय, सांख्य योग, तुलनात्मक दर्शन, शुक्लयजुर्वेद, मध्ववेदान्त, धर्मशास्त्र, साहित्य, पुराणेतिहास, आगम

M. A. I -Sem. Sanskrit	SAN-CC- 121 वैदिक भाषा तथा साहित्य
कुल अध्ययन काल खण्ड / व्याख्यान– 75 5 व्याख्यान × 15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	L T P C 5 0 0 5

इकाई 1 वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय (L-15)

इकाई 2 ऋग्वेद– सूक्त– (1) इन्द्र 2.12, (2) उषस् 3.61 (3) पुरुष सूक्त 10.90 (4) हिरण्यगर्भ 10.121, नासदीय 10.129 (L-15)

इकाई 3 (अ) अथर्ववेद– स्वराज्ये राज्ञः पुनः स्थापनम् 3.3, मेधाजनन 1.1, कालसूक्त 10.53
(ब) यजुर्वेद–शिवसङ्कल्प 34/1-6, (L-15)

इकाई 4 निरुक्त (प्रथम अध्याय), आचार्य, वीर, ह्रद, गो, समुद्र, वृत्र, आदित्य, उषस्, मेघ, वाक्, उदक, नदी, अश्व, अग्नि, जातवेदस् तथा वैश्वानर के निर्वचन (L-15)

इकाई 5 पाणिनीय शिक्षा (L-15)

नोट – सभी प्रश्नपत्रों में रेखांकित इकाई (20 प्रतिशत प्रश्नों) का उत्तर संस्कृतभाषा में देना अनिवार्य है।

मूल ग्रन्थ :–

1. अभिनववेददीपिका (प्रथम सं.) डॉ. रमाकान्त पाण्डेय जगदीश पुस्तकालय, जयपुर।
2. निरुक्त (यास्ककृत), उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी।
3. पाणिनीय शिक्षा, पण्डित शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

सहायक ग्रन्थ :–

1. शब्दादर्शः डॉ. बाल शास्त्री, डॉ. रमाकान्त पाण्डेय संस्कृत परिषद्, सागर विश्वविद्यालय, सागर।
2. वैदिक साहित्य और संस्कृति – बलदेव उपाध्याय, वाराणसी, 1980।
3. वैदिक साहित्य तथा संस्कृति – कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।
4. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी

M. A. I -Sem. Sanskrit	SAN-CC- 122 व्याकरण तथा भाषा विज्ञान
कुल अध्ययन काल खण्ड/व्याख्यान– 75 5 व्याख्यान × 15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	L T P C 5 0 0 5

इकाई 1 पस्पशाह्निक (व्याकरण महाभाष्य से) (L-15)

इकाई 2 कारकप्रकरण (सिद्धान्तकौमुदी से) (L-15)

इकाई 3 वाक्यसंरचना सिद्धान्त (भाषाविज्ञान), अर्थविज्ञान (दिशाएँ एवं कारण) (L-15)

इकाई 4 ध्वनि नियम, भाषा का वर्गीकरण (L-15)

इकाई 5 पालि, प्राकृत तथा अपभ्रंश

पालि – महामंगलसुत्त, मायादेविया सुपिनं, धम्मपदसंगहो, महापजापतिगौतमी गाथा।

प्राकृत – गिरनार अभिलेख, गाहासत्तसई।

अपभ्रंश – भविसयत्तकहा, सन्देशरासकम्। (L-15)

नोट – सभी प्रश्नपत्रों में रेखांकित इकाई (20 प्रतिशत प्रश्नों) का उत्तर संस्कृतभाषा में देना अनिवार्य है।

मूलग्रन्थ :–

1. व्याकरण महाभाष्य (पस्पशाह्निक), साहित्य भण्डार, मेरठ
2. सिद्धांतकौमुदी, चौखंभा प्रकाशन, वाराणसी।
3. भाषाविज्ञान तथा भाषाशास्त्र, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. पालि प्राकृत तथा अपभ्रंश, रामअवध पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

सहायकग्रन्थ :–

1. भाषाविज्ञान, भोलानाथ तिवारी
2. व्याकरणशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास, श्री रमाकान्त मिश्र, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
3. व्याकरणशास्त्रस्येतिहासः। डॉ. ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

M. A. I -Sem. Sanskrit	SAN-CC- 123 दर्शन
कुल अध्ययन काल खण्ड / व्याख्यान– 75 5 व्याख्यान × 15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	L T P C 5 0 0 5

इकाई 1 भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय (L-15)

इकाई 2 वेदान्तसार (L-15)

इकाई 3 साङ्ख्यकारिका (कारिका 1–50 तक) (L-15)

इकाई 4 तर्कसंग्रह (प्रारम्भ से प्रत्यक्ष प्रमाण तक) (L-15)

इकाई 5 तर्कसंग्रह (अनुमान प्रमाण से अन्त तक) (L-15)

नोट – सभी प्रश्नपत्रों में रेखांकित इकाई (20 प्रतिशत प्रश्नों) का उत्तर संस्कृतभाषा में देना अनिवार्य है।

मूलग्रन्थ :–

1. भारतीय दर्शन : बलदेव उपाध्याय।
2. वेदान्तसार (सदानंदकृत)।
3. साङ्ख्यकारिका (ईश्वरकृष्णकृत)।
4. तर्कसंग्रह, अन्नम्भट्ट

सहायकग्रन्थ :–

1. मीमांसादर्शन का विवेचनात्मक इतिहास, डॉ. गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
2. भारतीयदर्शन, जगदीश चन्द मिश्र, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
3. तर्कभाषा, केशवमिश्र, व्याख्याकार : आचार्य विश्वेश्वर

M. A. II -Sem. **Sanskrit**	**SAN-CC- 221** **महाकाव्य**
कुल अध्ययन काल खण्ड / व्याख्यान– 75 5 व्याख्यान × 15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	**L T P C** **5 0 0 5**

इकाई 1 महाकाव्य का विकास (L-15)

इकाई 2 बुद्धचरितम् प्रथमसर्ग (L-15)

इकाई 3 किरातार्जुनीयम् प्रथमसर्ग (L-15)

इकाई 4 नैषधीयचरितम् प्रथमसर्ग (75 पद्य तक) (L-15)

इकाई 5 शिशुपालवधम् प्रथमसर्ग (L-15)

नोट – सभी प्रश्नपत्रों में रेखांकित इकाई (20 प्रतिशत प्रश्नों) का उत्तर संस्कृतभाषा में देना अनिवार्य है।

मूलग्रन्थ :–

1. बुद्धचरितम्, अश्वघोष, चौखंभा प्रकाशन वाराणसी।
2. किरातार्जुनीयम्, भारवि, चौखंभा प्रकाशन वाराणसी।
3. नैषधीयचरितम्, श्रीहर्ष, चौखंभा प्रकाशन वाराणसी।
4. शिशुपालवधम्, माघ, चौखंभा प्रकाशन वाराणसी।

सहायकग्रन्थ :–

1. संस्कृत सुकवि समीक्षा, बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, वाराणसी
3. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी

M. A. II -Sem. Sanskrit	SAN-CC- 222 नाट्यशास्त्र एवं नाटक
कुल अध्ययन काल खण्ड / व्याख्यान– 75 5 व्याख्यान × 15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	L T P C 5 0 0 5

इकाई 1 दशरूपकम्– प्रथम एवं द्वितीय प्रकाश (सन्धि, सन्ध्यङ्ग छोड़कर) (L-15)

इकाई 2 नाट्यशास्त्र प्रथम अध्याय, द्वितीय अध्याय (मण्डप के प्रकार) (L-15)

इकाई 3 उत्तररामचरित (अंक 1 तथा 3 से व्याख्या एवं प्रश्न) (L-15)

इकाई 4 रत्नावली नाटिका (L-15)

इकाई 5 मृच्छकटिकम् (अंक 1 तथा 5 से व्याख्या एवं प्रश्न) (L-15)

नोट – सभी प्रश्नपत्रों में रेखांकित इकाई (20 प्रतिशत प्रश्नों) का उत्तर संस्कृतभाषा में देना अनिवार्य है।

मूलग्रन्थ :–

1. दशरूपकम् : धनिक–धनञ्जयकृत, चौखंभा प्रकाशन वाराणसी।
2. रत्नावली : श्रीहर्षकृत, पं. परमेश्वरदीन पाण्डेय, चौखंभा प्रकाशन वाराणसी।
3. मृच्छकटिकम् : शूद्रककृत, चौखंभा प्रकाशन वाराणसी।
4. उत्तररामचरितम्, भवभूति, कपिलदेव द्विवेदी, रामनारायण लाल विजयकुमार, इलाहाबाद
5. नाट्यशास्त्र, धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव, संस्कृत परिषद्, सागर

सहायकग्रन्थ :–

1. संस्कृत सुकवि समीक्षा, बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, शरदानिकेतन, वाराणसी, 2001
3. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी
4. महाकवि शूद्रक, डॉ. रमाशंकर तिवारी चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
5. महाकवि भवभूति, डॉ. गंगासागर राय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, प्र.सं. 1965 ई.।
6. नाट्यशास्त्र का इतिहास, डॉ. पारसनाथ द्विवेदी, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
7. नाट्यशास्त्रीयानुसन्धानम्, प्रो. रामजी उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
8. भवभूति और उनकी नाट्यकला, अयोध्या प्रसाद सिंह, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।

M. A. II -Sem. Sanskrit	SAN-CC- 223 गद्य तथा चम्पू काव्य
कुल अध्ययन काल खण्ड / व्याख्यान– 75 5 व्याख्यान × 15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	L T P C 5 0 0 5

इकाई 1 गद्य एवं चम्पू का सामान्य परिचय (L-15)

इकाई 2 कादम्बरी– महाश्वेता वृत्तान्त (L-15)

इकाई 3 नलचम्पू (वर्षावर्णन पर्यन्त) (L-15)

इकाई 4 दशकुमारचरितम् (अष्टम उच्छ्वास) (L-15)

इकाई 5 उपर्युक्त तीनों से समीक्षात्मक प्रश्न (L-15)

नोट – सभी प्रश्नपत्रों में रेखांकित इकाई (20 प्रतिशत प्रश्नों) का उत्तर संस्कृतभाषा में देना अनिवार्य है।

मूलग्रन्थ :–

1. कादम्बरी : वाणभट्टकृत, चौखंभा प्रकाशन वाराणसी।
2. नलचम्पू , चौखंभा प्रकाशन वाराणसी।
3. दशकुमारचरितम्, चौखंभा प्रकाशन वाराणसी।
4. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी

सहायकग्रन्थ :–

1. संस्कृत सुकवि समीक्षा, बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
2. चम्पूकाव्य का आलोचनात्मक एवं ऐतिहासिक अध्ययन, डॉ. छविनाथ त्रिपाठी, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3. कादम्बरी एक सांस्कृतिक अध्ययन, डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, शरदानिकेतन, वाराणसी, 2001

M. A. III -Sem. Sanskrit	SAN-CC- 321 आर्षकाव्य एवं पुराण
कुल अध्ययन काल खण्ड / व्याख्यान– 75 5 व्याख्यान × 15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	L T P C 5 0 0 5

इकाई 1 रामायण (वाल्मीकिकृत) :–
रचनाकाल, वस्तु तथा काव्यसौन्दर्य, रामायण का क्रम, रामायण में आख्यान, परवर्ती ग्रन्थों के लिये प्रेरणास्रोत, रामायण का साहित्यिक महत्त्व, रामायणकालीन संस्कृति एवं समाज। (L-15)

इकाई 2 महाभारत (व्यासकृत) :– रचनाकाल, वस्तु तथा काव्यसौन्दर्य, महाभारत का क्रम, महाभारत में आख्यान, परवर्ती ग्रन्थों के लिये प्रेरणास्रोत, महाभारत का साहित्यिक महत्त्व, महाभारतकालीन संस्कृति एवं समाज। (L-15)

इकाई 3 रामायण एवं महाभारत की प्रासंगिकता– राष्ट्रिय भावना, पर्यावरण चेतना जीवनमूल्य, सामाजिक चेतना आदि (L-15)

इकाई 4 पुराण परिचय–
पुराण की परिभाषा, महापुराण एवं उपपुराण, पुराणों में लोक कलाएं , अष्टादश पुराणों का परिचय। (L-15)

इकाई 5 पुराण विशेषताएं–
पुराणों की ऐतिहासकता, पौराणिक धर्म, पुराणों का देश की भावनात्मक अखण्डता में योगदान, सांस्कृतिक महत्त्व, पौराणिक आख्यान। (L-15)

नोट – सभी प्रश्नपत्रों में रेखांकित इकाई (20 प्रतिशत प्रश्नों) का उत्तर संस्कृतभाषा में देना अनिवार्य है।

मूलग्रन्थ :–

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, शारदानिकेतन, वाराणसी।
2. पुराणविमर्श, बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
3. पुराण तत्त्वमीमांसा, श्री कृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान / बुक हाउस, वाराणसी।

सहायकग्रन्थ :–

1. प्राचीन भारतीय साहित्य की सांस्कृतिक भूमिका, प्रो. रामजी उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
2. भारतीय संस्कृति का उत्थान, प्रो. रामजी उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3. महाभारत में काव्यसौन्दर्य – डॉ. सरला दीक्षित, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली।
4. भारतीय संस्कृति – डॉ. रामलाल सिंह
5. महाभारत में नारी – डॉ. वनमाला भवालकर
6. इतिहास पुराण का अनुशीलन – (रमाशंकर भट्टाचार्य / इण्डोलाजिकल)
7. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी

M. A. III -Sem. **Sanskrit**	**SAN-CC- 322** **अर्थशास्त्र एवं धर्मशास्त्र**
कुल अध्ययन काल खण्ड/व्याख्यान– 75 5 व्याख्यान × 15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	**L T P C** **5 0 0 5**

इकाई 1 धर्मशास्त्र का सामान्य परिचय (L-15)

इकाई 2 अर्थशास्त्र (कौटिल्य कृत) (L-15)
प्रथम अधिकरण (विनयाधिकार) (L-15)

इकाई 3 मनुस्मृति (सप्तम अध्याय, 1 – 100 श्लोक) (L-15)

इकाई 4 याज्ञवल्क्यस्मृति (द्वितीय अध्याय - दायविभागप्रकरण) (L-15)

इकाई 5 गौतमधर्मसूत्र (प्रथमभाग का प्रथम प्रश्न) (L-15)

नोट – सभी प्रश्नपत्रों में रेखांकित इकाई (20 प्रतिशत प्रश्नों) का उत्तर संस्कृतभाषा में देना अनिवार्य है।

मूलग्रन्थ :–

1. कौटिलीय अर्थशास्त्र, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
2. धर्मशास्त्र का इतिहास, पी. व्ही. काणे।
3. मनुस्मृति, रामेश्वर भट्ट, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
4. याज्ञवल्क्य स्मृति – गंगासागर राय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन।
5. गौतमधर्म सूत्र, प्रमोद वर्धन कौण्डिन्यायन।
6. गौतम धर्मसूत्राणि (प्रथम भाग) सं. – डॉ. वनमाला भवालकर, अभिनव साहित्य प्रकाशन, परकोटा रोड, सागर

सहायकग्रन्थ–

1. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी
2. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

M. A. III -Sem. Sanskrit	SAN-CC- 323 साहित्य सिद्धान्त
कुल अध्ययन काल खण्ड / व्याख्यान– 75 5 व्याख्यान × 15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	L T P C 5 0 0 5

इकाई 1 काव्यालङ्कार (भामह) प्रथम परिच्छेद (L-15)

इकाई 2 काव्यालङ्कारसूत्रवृत्ति (प्रथम परिच्छेद) (L-15)

इकाई 3 काव्यमीमांसा (1–3 अध्याय) (L-15)

इकाई 4 वक्रोक्तिजीवित (प्रथम उन्मेष) (L-15)

इकाई 5 ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत) (L-15)

नोट – सभी प्रश्नपत्रों में रेखांकित इकाई (20 प्रतिशत प्रश्नों) का उत्तर संस्कृतभाषा में देना अनिवार्य है।

मूलग्रन्थ :–

1. काव्यालङ्कार, भामह, डॉ. रामानंद शर्मा, चौखम्बा संस्कृत सीरीज वाराणसी।
2. काव्यालङ्कारसूत्रवृत्ति, वामन, पं. केदारनाथ शर्मा, चौखम्बा संस्कृत सीरीज वाराणसी।
3. काव्यमीमांसा, राजशेखर, चौखम्बा संस्कृत सीरीज वाराणसी।
4. वक्रोक्तिजीवित, कुन्तक, पं. परमेश्वरदीन पाण्डेय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
5. ध्वन्यालोक, आनन्दवर्धन, जगन्नाथ पाठक, चौखंभा विद्याभवन, वाराणसी।

सहायकग्रन्थ :–

1. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी
2. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3. अलंकार शास्त्र की परम्परा, डॉ. जगदीश चन्द्र मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

M. A. IV-Sem. Sanskrit	SAN-CC- 421 उपनिषद्साहित्य
कुल अध्ययन काल खण्ड/व्याख्यान– 75 5 व्याख्यान × 15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	L T P C 5 0 0 5

इकाई 1 ईशावास्योपनिषद् (L-15)

इकाई 2 कठोपनिषद् (L-15)

इकाई 3 केनोपनिषद् (L-15)

इकाई 4 प्रश्नोपनिषद् (L-15)

इकाई 5 मुण्डकोपनिषद् (L-15)

नोट – सभी प्रश्नपत्रों में रेखांकित इकाई (20 प्रतिशत प्रश्नों) का उत्तर संस्कृतभाषा में देना अनिवार्य है।

मूलग्रन्थ :–

1. ईशादि नौ उपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर।

सहायकग्रन्थ :–

1. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी
2. वैदिक साहित्य और संस्कृति – बलदेव उपाध्याय, वाराणसी, 1980।
3. वैदिक साहित्य तथा संस्कृति – कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।
4. वैदिकसाहित्य का इतिहास, डॉ. पारस नाथ द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
5. Studies in Upanishads, Govind Gopal Mukhopadhyay, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

M. A. IV-Sem. Sanskrit	SAN-CC- 422 काव्यशास्त्र
कुल अध्ययन काल खण्ड/व्याख्यान– 75 5 व्याख्यान × 15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	L T P C 5 0 0 5

इकाई 1 काव्यप्रकाश उल्लास 4 (L-15)

इकाई 2 काव्यप्रकाश उल्लास 5 (L-15)

इकाई 3 काव्यप्रकाश उल्लास 7 (पददोष, रसदोष, रसविरोध परिहार) (L-15)

इकाई 4 काव्यप्रकाश उल्लास 8 (L-15)

इकाई 5 काव्यप्रकाश उल्लास 9 (L-15)

मूलग्रन्थ :–

1. काव्यप्रकाश, आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी।
2. काव्यप्रकाश, डॉ. सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

सहायकग्रन्थः–

1. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी
2. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3. अलंकार शास्त्र की परम्परा, डॉ. जगदीश चन्द्र मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
4. व्यंजना सिद्धि और परम्परा, डॉ. कृष्णकुमार शर्मा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
5. शब्दव्यापारविचार, मम्मट, डॉ. रेवाप्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

M. A. IV-Sem. Sanskrit	SAN-CC- 423 आधुनिक काव्य
कुल अध्ययन काल खण्ड / व्याख्यान– 75 5 व्याख्यान × 15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	L T P C 5 0 0 5

इकाई 1 आयतिः–
भट्टमथुरानाथ शास्त्री, (प्रकृतिपर्यवेक्षणम्), वेङ्कटरामराघवन्, (वाग्वादिनी सहस्रतन्त्री), जानकीवल्लभ शास्त्री, (भग्नावशेषः), बटुकनाथ शास्त्री खिस्ते (जयति कालिदासः कविः) (L-15)

इकाई 2 आयतिः–
रतीनाथ झा (सुभाषितानि), अवस्थी बच्चूलालः (शुकवृत्तम), जगन्नाथ पाठकः (गज़लगीतानि), राधावल्लभः त्रिपाठी (विमानाद् भूदर्शनम्,) (L-15)

इकाई 3 द्वासुपर्णा (L-15)

इकाई 4 श्रीमद्रामचरितमानसम्– पं. प्रेमनारायण द्विवेदी, सुन्दरकाण्ड, सर्ग 1–2 (L-15)

इकाई 5 इक्षुगन्धा (जिजीविषा, अनामिका, इक्षुगंधा, भग्नपञ्जरः) (L-15)

नोट – सभी प्रश्नपत्रों में रेखांकित इकाई (20 प्रतिशत प्रश्नों) का उत्तर संस्कृतभाषा में देना अनिवार्य है।

मूलग्रन्थः–

1. आयतिः, राधावल्लभ त्रिपाठी, संस्कृत परिषद्, संस्कृत विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
2. आयतिः, राधावल्लभ त्रिपाठी, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली
3. द्वासुपर्णा, प्रो. रामजी उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
4. श्रीमद्रामचरितमानसम्– पं. प्रेमनारायण द्विवेदी, देववाणी परिषद्, वाणीविहार, नई दिल्ली
5. इक्षुगन्धा, राजेन्द्र मिश्र, विजयंत प्रकाशन, इलाहाबाद।

सहायकग्रन्थ–

1. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी
2. आधुनिक संस्कृत काव्य परम्परा, डॉ. केशव राव मुसलगावकर, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
3. संस्कृत साहित्य का बृहद् इतिहास, आधुनिक काव्य खण्ड, बलदेव उपाध्याय, उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ।

Syllabus for P.G. Classes

Subject Elective Courses

2018-19

Class M.A. I/II/III/IV Sem.

4 Papers of 4 Credits Each
04X04 = 16 Credits
One Paper in each Semester

M. A. I -Sem. Sanskrit	SAN-EC- 124 साहित्यशास्त्र तथा सौन्दर्यशास्त्र
कुल अध्ययन काल खण्ड / व्याख्यान– 60 4 व्याख्यान × 15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	L T P C 4 0 0 4

इकाई 1 प्रमुख ग्रन्थ, चिन्तक और सिद्धान्त (रस, अलंकार, रीति) (L-12)

इकाई 2 प्रमुख ग्रन्थ, चिन्तक और सिद्धान्त (ध्वनि, वक्रोक्ति, औचित्य) (L-12)

इकाई 3 सौन्दर्यशास्त्र की अन्य परम्पराएं, आधुनिक विचार तथा साहित्यिक विद्या (L-12)

इकाई 4 काव्यप्रकाश (1, 2 उल्लास) (L-12)

इकाई 5 काव्यादर्श (प्रथम परिच्छेद) (L-12)

नोट – सभी प्रश्नपत्रों में रेखांकित इकाई (20 प्रतिशत प्रश्नों) का उत्तर संस्कृतभाषा में देना अनिवार्य है।

मूलग्रन्थ –

1. नाट्यशास्त्र, भरतमुनि,
2. काव्यप्रकाश, आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी।
3. काव्यमीमांसा, राजशेखर, चौखम्बा संस्कृत सीरीज वाराणसी।
4. काव्यालङ्कार, भामह, डॉ. रामानंद शर्मा, चौखम्बा संस्कृत सीरीज वाराणसी।
5. काव्यालङ्कारसूत्रवृत्ति, वामन, पं. केदारनाथ शर्मा, चौखम्बा संस्कृत सीरीज वाराणसी।
6. काव्यादर्श, दण्डी, चौखम्बा संस्कृत सीरीज वाराणसी।
7. ध्वन्यालोक, आनन्दवर्धन, जगन्नाथ पाठक, चौखंभा विद्याभवन, वाराणसी।
8. वक्रोक्तिजीवित, कुन्तक, पं. परमेश्वरदीन पाण्डेय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
9. औचित्य विचार चर्चा, डॉ. रमाशंकर त्रिपाठी, चौखम्बा संस्कृत सीरीज वाराणसी।
10. भारतीय सौन्दर्य शास्त्र की भूमिका, आचार्य नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1963

सहायकग्रन्थ :–

1. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी
2. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3. अलंकार शास्त्र की परम्परा, डॉ. जगदीश चन्द्र मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
4. व्यंजना सिद्धि और परम्परा, डॉ. कृष्णकुमार शर्मा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
5. शब्दव्यापारविचार, मम्मट, डॉ. रेवाप्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

M. A. I -Sem. Sanskrit	SAN-EC- 125 विशेष कवि भवभूति
कुल अध्ययन काल खण्ड / व्याख्यान– 60 4 व्याख्यान × 15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	L T P C 4 0 0 4

इकाई 1 महाकति भवभूति का परिचय एवं वैशिष्ट्य (L-12)

इकाई 2 मालतीमाधवम् (प्रथम अंक व्याख्या) (L-12)

इकाई 3 महावीरचरितम् (प्रथम अंक व्याख्या) (L-12)

इकाई 4 उत्तररामचरितम् (तृतीय अंक व्याख्या) (L-12)

इकाई 5 उपर्युक्त ग्रन्थों से समीक्षात्मक प्रश्न (L-12)

नोट – सभी प्रश्नपत्रों में रेखांकित इकाई (20 प्रतिशत प्रश्नों) का उत्तर संस्कृतभाषा में देना अनिवार्य है।

मूलग्रन्थ :–

1. महावीरचरितम्, भवभूति, श्रीरामचन्द्र मिश्र, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी, पुनर्मुद्रण, 2005 ई.।
2. मालतीमाधवम्, भवभूति, डॉ. गंगासागर राय, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी, प्र.सं.,2002 ई.।
3. उत्तररामचरितम्, भवभूति, ब्रह्मानन्द शुक्ल, साहित्य भण्डार, मेरठ, 2007 ई.।
4. उत्तररामचरितम्, भवभूति, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, रामनारायणलाल विजयकुमार, इलाहाबाद, 2007ई.

सहायकग्रन्थ :–

1. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी
2. भवभूति एण्ड द वेद, डॉ. वी. राघवन्, जर्नल ऑफ द एशियाटिक सोसायटी, मुम्बई (न्यू सीरिज), वॉल्यूम्स 31–32, 1956–57, प्रकाशित 1959, पृ. 218–221
3. महाकवि भवभूति, डॉ. भास्कराचार्य त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली, प्र.सं., 2006 ई.।
4. भवभूति के नाटक, डॉ. ब्रजवल्लभ भार्मा, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल, प्र.सं., 1973 ई.।
5. भवभूति, जी.के. भट्ट, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, प्र. सं. 1979 ई.।
6. महाकवि भवभूति, डॉ. गंगासागर राय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, प्र.सं. 1965 ई.।
7. भवभूति और उनकी नाट्यकला, अयोध्या प्रसाद सिंह, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।

M. A. II -Sem. Sanskrit	SAN-EC- 224 इतिहास तथा संस्कृति
कुल अध्ययन काल खण्ड / व्याख्यान– 60 4 व्याख्यान × 15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	L T P C 4 0 0 4

इकाई 1 राजतरंगिणी (प्रथम तरंग, 100 श्लोक तक) (L-12)

इकाई 2 विक्रमांकदेवचरितम् (प्रथम सर्ग 1–50 पद्य) (L-12)

इकाई 3 हर्षचरितम् (पंचम उच्छ्वास) (L-12)

इकाई 4 संस्कृत और आधुनिक विश्व, संस्कृत में राष्ट्रिय भावना, संस्कृत में विज्ञान, वर्णाश्रम व्यवस्था , सोलह संस्कार (L-12)

इकाई 5 भारतीय संस्कृति –पुरुषार्थ, धर्म, शिल्पकला तथा मनोरंजन (L-12)

नोट – सभी प्रश्नपत्रों में रेखांकित इकाई (20 प्रतिशत प्रश्नों) का उत्तर संस्कृतभाषा में देना अनिवार्य है।

मूलग्रन्थ :–

1. राजतरङ्गिणी, कल्हण, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी।
2. विक्रमांकदेवचरितम्, बिल्हण, डॉ. गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्बा संस्कृत सीरीज वाराणसी।
3. विक्रमांकदेवचरितम्, पं. हरगोविन्द शास्त्री, चौ.सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
4. हर्षचरितम्, बाणभट्ट, जगन्नाथ पाठक, चौ.सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
5. संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीय भावना, डॉ. हरनारायण दीक्षित
6. भारतीय संस्कृति के मूलाधार, डॉ. वीरेन्द्र कुमार सिंह, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. संस्कृत और राष्ट्र की एकता– सं. राधावल्लभ त्रिपाठी, अक्ष्यवट प्रकाशन, इलाहाबाद।

सहायकग्रन्थ :–

1. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी
2. संस्कृत सुकवि समीक्षा, बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3. प्राचीन भारतीय साहित्य की सांस्कृतिक भूमिका, प्रो. रामजी उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
4. भारतीय संस्कृति का उत्थान, प्रो. रामजी उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
5. संस्कृत–निबन्धावलि, डॉ. रामजी उपाध्याय, लोकभारतीय प्रकाशन इलाहाबाद।
6. संस्कृत निबन्धशतकम्, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी
7. संस्कृत का समाजशास्त्र : हीरालाल शुक्ल, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली 1989।

M. A. II -Sem. Sanskrit	SAN-EC- 225 संस्कृत में पर्यावरण
कुल अध्ययन काल खण्ड / व्याख्यान– 60 4 व्याख्यान × 15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	L T P C 4 0 0 4

इकाई 1 संस्कृत का अर्थ व व्याख्या, पर्यावरण का अर्थ, परिभाषा, प्रकार, संस्कृत में पर्यावरण की परिभाषा, प्रकार, आवश्यकता, महत्त्व। पर्यावरण के अवयव, पर्यावरण का अन्य विषयों से सम्बन्ध, पर्यावरण का संस्कृत साहित्य से सम्बन्ध (L-12)

इकाई 2 पारिस्थितिकी व परितन्त्र, पारिस्थितिकी, परितन्त्र, परितन्त्र के घटक, भोजन–शृंखला, मानव और परितन्त्र। (L-12)

इकाई 3 पर्यावरण में अन्तर्निर्भरता, जैविक, अजैविक, कार्यात्मक, प्रकृति में भू–जैविक तथा रासायनिक चक्र, उर्जा चक्र, सामाजिक चक्र। (L-12)

इकाई 4 पर्यावरण प्रदूषण व उनसे होने वाली हानियां, जल प्रदूषण व हानियां, वायु प्रदूषण व हानियां, भूमि प्रदूषण व हानियां, ध्वनि प्रदूषण व हानियां, सामाजिक प्रदूषण व हानियां। (L-12)

इकाई 5 पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता एवं महत्त्व, पर्यावरण संरक्षण का अर्थ, पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता, पर्यावरण संरक्षण का महत्त्व, पर्यावरण संरक्षण के उपाय, प्रकृति से समन्वय। (L-12)

नोट – सभी प्रश्नपत्रों में रेखांकित इकाई (20 प्रतिशत प्रश्नों) का उत्तर संस्कृतभाषा में देना अनिवार्य है।

मूलग्रन्थ :–

1. संस्कृत में पर्यावरण, डॉ. रत्ना शुक्ला, सत्यम् पब्लिकेशंस, दिल्ली
2. संस्कृत साहित्य एवं पर्यावरण, सुषमा कुलश्रेष्ट, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली 2011
3. वाल्मीकि रामायण में पर्यावरण चेतना अंजना सिंह, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, 2009

सहायकग्रन्थ :–

1. पर्यावरण शिक्षा, आर.ए. शर्मा,
2. पर्यावरण शिक्षा, डॉ. एम.के. गोयल
3. पर्यावरण शिक्षा, डॉ. पंकज श्रीवास्तव
4. पर्यावरण शिक्षा के नये आयाम, राधा प्रकाशन

M. A. III -Sem. Sanskrit	SAN-EC- 324 विशेष कवि कालिदास
कुल अध्ययन काल खण्ड / व्याख्यान– 60 4 व्याख्यान × 15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	L T P C 4 0 0 4

इकाई 1 विक्रमोर्वशीयम् (L-12)

इकाई 2 रघुवंश सर्ग–14 (श्लोक1से 50 तक) (L-12)

इकाई 3 अभिज्ञानशाकुन्तलम् (अंक 1–4, व्याख्या, प्रश्न) (L-12)

इकाई 4 मेघदूतम् (पूर्वमेघ) (L-12)

इकाई 5 कुमारसम्भव पंचमसर्ग (L-12)

नोट – सभी प्रश्नपत्रों में रेखांकित इकाई (20 प्रतिशत प्रश्नों) का उत्तर संस्कृतभाषा में देना अनिवार्य है।

मूलग्रन्थ :–

1. विक्रमोर्वशीयम्, पं.परमेश्वरदीन पाण्डेय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, रामनारायण लाल विजयकुमार, इलाहाबाद
3. कालिदास ग्रन्थावली, पं. सीताराम चतुर्वेदी, उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान (लखनऊ)

सहायकग्रन्थ :–

1. महाकविकालिदास, रमाशंकर तिवारी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
2. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी
3. संस्कृत सुकवि समीक्षा, बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
4. प्राचीन भारतीय साहित्य की सांस्कृतिक भूमिका, प्रो. रामजी उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसीत्र
5. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

M. A. III -Sem. Sanskrit	SAN-EC- 325 पाण्डुलिपि विज्ञान
कुल अध्ययन काल खण्ड / व्याख्यान– 60 4 व्याख्यान × 15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	L T P C 4 0 0 4

इकाई 1 पाण्डुलिपि विज्ञान – परिचय, पाण्डुलिपियों का महत्त्व, पाण्डुलिपियों का संरक्षण। (L-12)

इकाई 2 पाण्डुलिपि ग्रंथ रचना प्रक्रिया, पाण्डुलिपि के साधन, लेखक, लिपिकार, पुष्पिका, पाण्डुलिपि के पाठ, पाठविकृति एवं उसके कारण। (L-12)

इकाई 3 लिपि–परिचय – मुख्य लिपियों का परिचय, एवं इतिहास (ब्राह्मी, शारदा, ग्रंथ, सामान्य परिचय) (L-12)

इकाई 4 संपादन प्रक्रिया, काल–निर्धारण – शब्द और अर्थ की समस्या, पाण्डुलिपि संबंधी पारिभाषिक शब्दावली (L-12)

इकाई 5 राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन एवं उसके कार्य (L-12)

नोट – सभी प्रश्नपत्रों में रेखांकित इकाई (20 प्रतिशत प्रश्नों) का उत्तर संस्कृतभाषा में देना अनिवार्य है।

मूलग्रन्थ :–

1. पाण्डुलिपि विज्ञान – डॉ. सत्येन्द्र, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
2. पाण्डुलिपि परिचय – अयोध्या चन्द्र दास एस. चन्द एण्ड कंपनी लि. रामनगर, नई दिल्ली।
3. पाण्डुलिपि विज्ञान – रामगोपाल शर्मा 'दिनेश'
4. शोधप्रविधि तथा पाण्डुलिपि विज्ञान – प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र
5. पाठालोचन : सिद्धान्त और प्रक्रिया – मिथिलेश कत्रे

सहायकग्रन्थ :–

1. पाठानुसंधान – डॉ. सियाराम तिवारी
2. भारतीय पाठालोचन की भूमिका – डॉ. एम. एम. कात्रे
3. प्राचीन लिपिमाला – डॉ. गौरीशंकर हीराचन्द्र ओझा
4. भारतीय लिपियों की कहानी – गुणाकर मुले राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. भाषा और लिपि – डॉ. नरेश कुमार इण्डो विजन प्रा. लिमिटेड गाजियाबाद।
6. ब्राह्मी लिपि प्रवेशिका – रवीन्द्र कुमार वशिष्ठ कुन्द कुन्द भारती नई दिल्ली।
7. शारदा लिपि दीपिका – डॉ. श्रीनाथ तिक्कू राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली।

M. A. IV -Sem. Sanskrit	SAN-EC- 424 उपन्यास, स्तोत्र, मुक्तक तथा सुभाषित
कुल अध्ययन काल खण्ड / व्याख्यान– 60 4 व्याख्यान × 15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	L T P C 4 0 0 4

इकाई 1 अन्यच्च प्रथमखण्ड 1–5 पैराग्राफ (L-12)

इकाई 2 सौन्दर्यलहरी (1–50 पद्य) (L-12)

इकाई 3 आर्यासप्तशती (प्रथम 50 गाथाएं) (L-12)

इकाई 4 भामिनीविलास, पंडितराज जगन्नाथ, 1–50 पद्य (L-12)

इकाई 5 सुभाषित साहित्य तथा सुभाषित सङ्ग्रहों का परिचय (L-12)

नोट – सभी प्रश्नपत्रों में रेखांकित इकाई (20 प्रतिशत प्रश्नों) का उत्तर संस्कृतभाषा में देना अनिवार्य है।

मूलग्रन्थ :–

1. अन्यच्च, प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, संस्कृत भारती, नई दिल्ली, 2011
2. सौन्दर्यलहरी, प्रो. पुष्पा दीक्षित, संस्कृत परिषद्, डॉ. हरीसिंह गौर वि.वि. सागर (म.प्र.)।
3. आर्यासप्तशती, गोवर्धन, पं. रमाकान्त त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
4. भामिनीविलास, पंडितराज जगन्नाथ, डॉ. रेखा शुक्ला, चौखम्बा संस्कृत सीरिज, वाराणसी।
5. सुभाषितरत्नमाला – डॉ. धर्मेन्द्र सिंह देव, संस्कृत परिषद्, डॉ. हरीसिंह गौर वि. वि. सागर (म. प्र.)।

सहायकग्रन्थ :–

1. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास – प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।
2. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3. और फिर, प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2017

M. A. IV -Sem. Sanskrit	SAN-EC- 425 संस्कृत में विज्ञान
कुल अध्ययन काल खण्ड / व्याख्यान– 60 4 व्याख्यान × 15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	L T P C 4 0 0 4

इकाई 1 **संस्कृत की वैज्ञानिक परंपरा :–**
संस्कृत अध्ययन की उपादेयता, संस्कृत में विज्ञान के स्रोत, संस्कृत में वैज्ञानिक साहित्य की संपदा, अध्ययन और अनुसंधान आधुनिक विज्ञान तथा संस्कृत साहित्य (L-12)

इकाई 2 **प्रौद्योगिकी एवं वैदिक गणित :–**
संस्कृत साहित्य में अभियांत्रिकी विज्ञान और प्रौद्योगिकी, प्राचीन भारत में प्रौद्योगिकी (L-12)
भारतीय गणितज्ञान की आवश्यकताएं, वैदिक गणित : एक अध्ययन

इकाई 3 **<u>वनस्पति विज्ञान एवं जन्तुविज्ञान</u>**
वनस्पति विज्ञान चरक का वर्गीकरण, सुश्रुत का वर्गीकरण, रसकोष (शस्यकोष) शस्यों के अंग, जल का अवचूषण, शस्यविकृति विज्ञान, आनुवंशिकता (L-12)

इकाई 4 **धातु विज्ञान, कृषि विज्ञान, प्रकृति विज्ञान।**
प्रकृति विज्ञान, ऋतम्, पंचभूत सिद्धान्त, परमाणु विज्ञान, वैदिक विज्ञान में परमाणु ढांचा, भारतीय परमाणुवाद। (L-12)

इकाई 5 **आयुर्वेद, ज्योतिष और खगोलशास्त्र**
आयुर्वेद, वैदिक आयुर्विज्ञान।
ज्योतिष शास्त्रों का वैज्ञानिक अध्ययन :– सिद्धांत संहिता, होरा ज्योतिष के प्रणेता आचार्य, तिथिगणना की वैज्ञानिकता, सुस्पष्ट वासर गणना, प्राचीन भारत के कालविभाजन, पृथ्वी का गोलत्व, सूर्यग्रहण और चन्द्रग्रहण का कारण, पृथ्वी की गतिशीलता, सूर्य के बारे में धारणा, सृष्टि की आयु की गणना, गुरुत्वाकर्षण शक्ति, प्रकाश की गति, वैदिक खगोलशास्त्र, वराहमिहिर की पंचसिद्धान्तिका, सूर्य सिद्धान्त का रचनाकाल, खगोलशास्त्र के अन्य आचार्य। (L-12)

नोट – सभी प्रश्नपत्रों में रेखांकित इकाई (20 प्रतिशत प्रश्नों) का उत्तर संस्कृतभाषा में देना अनिवार्य है।

मूलग्रन्थ :–

1. संस्कृत में विज्ञान – डॉ. विद्याधर शर्मा गुलेरी, संस्कृत–भारती, नई दिल्ली।
2. Science in Sanskrit - Sanskrit Bharati, New Delhi
3. Botany in Sanskrit Literature - Dr. Anupama Deopujari, Sanskrit Bharati, New Delhi
4. Medicine and Surgery in Ancient India - K.H. Krishnamurthy, Sanskrit Bharati, New Delhi

सहायकग्रन्थ :–

1. वाल्मीकि रामायण की वैज्ञानिक उपादयता, डॉ. विष्णुनारायण तिवारी, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली 2012
2. भारतस्य विज्ञानपरम्परा – संस्कृत भारती, नई दिल्ली
3. India Tradition of Chemistry and Chemical Technology - Prof. A.R. Vasudeva Murthy & Prasun Kumar Mishra, Sanskrit Bharati, New Delhi
4. The Physics - Dr. N.G. Dongre, Sanskrit Bharati, New Delhi
5. Metallurgy in Sanskrit Literature - Dr. V.K. Diddkar, Sanskrit Bharati, New Delhi
6. Machines in Sanskrit Literature -P.P. Holoy, Sanskrit Bharati, New Delhi

Syllabus for P.G. Classes

Open Elective Courses

2018-19

Class M.A. I/II/III/IV Sem.

One Paper in II Sem. & One Paper in III Sem.
2 Papers * 2 Credits = 4 Credits

M. A. II -Sem. Sanskrit	SAN-OE- 226 भारतीय काव्यशास्त्र
कुल अध्ययन काल खण्ड / व्याख्यान– 30 2 व्याख्यान ×15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	L T P C 2 0 0 2

इकाई 1 प्रमुख काव्यशास्त्रियों का परिचय एवं उनके सिद्धान्त–
भामह, वामन, दण्डी, मम्मट, क्षेमेन्द्र, विश्वनाथ, पण्डितराजजगन्नाथ। (L-6)

इकाई 2 काव्यप्रयोजन, काव्यहेतु, काव्यलक्षण, काव्य के प्रकार। (L-6)

इकाई 3 आचार्य कुंतक और वक्रोक्ति सिद्धान्त। (L-6)

इकाई 4 आनंदवर्धन की ध्वनिसंबंधी अवधारणा। (L-6)

इकाई 5 भरत का रससिद्धान्त तथा उस पर विविध व्याख्यान। (L-6)

मूलग्रन्थ :–

1. साहित्यदर्पण, डॉ. सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
2. नाट्यशास्त्र, भरतमुनि, धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव, संस्कृत परिषद्, सागर
3. रसगंगाधर, पण्डितराजजगन्नाथ, आचार्य बद्रीनाथ झा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
4. काव्यप्रकाश, आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी।
5. काव्यमीमांसा, राजशेखर, चौखम्बा संस्कृत सीरीज वाराणसी।
6. काव्यालङ्कार, भामह, डॉ. रामानंद शर्मा, चौखम्बा संस्कृत सीरीज वाराणसी।
7. काव्यालङ्कारसूत्रवृत्ति, वामन, पं. केदारनाथ शर्मा, चौखम्बा संस्कृत सीरीज वाराणसी।
8. काव्यादर्श, दण्डी, चौखम्बा संस्कृत सीरीज वाराणसी।
9. ध्वन्यालोक, आनन्दवर्धन, जगन्नाथ पाठक, चौखंभा विद्याभवन, वाराणसी।
10. वक्रोक्तिजीवित, कुन्तक, पं. परमेश्वरदीन पाण्डेय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
11. औचित्यविचारचर्चा, डॉ. रमाशंकर त्रिपाठी, चौखम्बा संस्कृत सीरीज वाराणसी।

सहायकग्रन्थ :–

1. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी
2. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3. अलंकार शास्त्र की परम्परा, डॉ. जगदीश चन्द्र मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
4. व्यंजना सिद्धि और परम्परा, डॉ. कृष्णकुमार शर्मा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
5. शब्दव्यापारविचार, मम्मट, डॉ. रेवाप्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
6. नाट्यशास्त्र का इतिहास, डॉ. पारसनाथ द्विवेदी, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
7. भारतीय सौन्दर्य शास्त्र की भूमिका, आचार्य नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1963

M. A. II -Sem. Sanskrit	SAN-OE- 227 भारतीय संस्कृति
कुल अध्ययन काल खण्ड / व्याख्यान– 30 2 व्याख्यान ×15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	L T P C 2 0 0 2

इकाई 1 संस्कृति की परिभाषा, अर्थ, कार्य, उद्देश्य, संस्कृति और सभ्यता में अन्तर, संस्कृति के तत्त्व, भारतीय संस्कृति की विशेषताएं। (L-6)

इकाई 2 वर्ण एवं जाति, वर्ण एवं जाति में अन्तर, आश्रम व्यवस्था, ऋण, महायज्ञ, पुरुषार्थ, संस्कार। (L-6)

इकाई 3 शिक्षा–व्यवस्था, राजनीति (शासन) व्यवस्था, कला एवं शिल्प, मनोरजंन, नारी की स्थिति। (L-6)

इकाई 4 दर्शन–सामान्य परिचय, न्याय, वैशेषिक, सांख्य, योग, मीमांसा, वेदान्त, जैन, बौद्ध, धर्म – सामान्य परिचय, सभी दर्शनों के मूल सिद्धान्त / विशेषताएं। (L-6)

इकाई 5 भारतीय संस्कृति का विदेशों में प्रसार (L-6)

मूलग्रन्थ :–

1. प्राचीन भारतीय साहित्य की सांस्कृतिक भूमिका, डॉ. रामजी उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
2. प्राचीन भारतीय समाज एवं संस्कृति, डॉ. प्रभुदयालु अग्निहोत्री ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, 2000
3. भारतीय संस्कृति का उत्थान, डॉ. रामजी उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
4. भारतीयसंस्कृतिसौरभम्, डॉ. रामजी उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
5. भारतस्य सास्कृतिकनिधिः, डॉ. रामजी उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

सहायकग्रन्थ :–

1. प्राचीन भारतीय संस्कृति, कला एवं दर्शन – डॉ. रामलाल सिंह
2. भारतीय संस्कृति – प्रो. शिव बालक द्विवेदी
3. भारतीय संस्कृति – डॉ. प्रीतिप्रभा गोयल
4. भारतीय संस्कृति, डॉ. किरण टण्डन, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, 2012
5. भारतीय संस्कृतिः, आचार्य लोकमणि दाहाल, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

M. A. III -Sem. Sanskrit	SAN-OE- 326 नाट्यशास्त्र एवं रंगमंच
कुल अध्ययन काल खण्ड / व्याख्यान– 30 2 व्याख्यान ×15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	L T P C 2 0 0 2

इकाई 1 नाट्योत्पत्ति तथा नाट्य का महत्त्व (नाट्यशास्त्र–प्रथम अध्याय) (L-6)

इकाई 2 मंडप के प्रकार (नाट्यशास्त्र – द्वितीय अध्याय) (L-6)

इकाई 3 I अभिनय तथा रस के प्रकार (नाट्यशास्त्र से)
II नायक तथा नायिका के सामान्य भेद (दशरूपक से) (L-6)

इकाई 4 नाट्यतत्त्व (दशरूपक से) नान्दी प्रस्तावना, अर्थोपक्षेपक, जनान्तिकम्, प्रकाशम्, अपवारितम्, नाटकों में प्रयुक्त निर्देश तथा भरतवाक्य। (L-6)

इकाई 5 मध्यमव्यायोग (भासकृत) (L-6)

मूलग्रन्थ :–

1. नाट्यशास्त्र, भरतमुनि, पारसनाथ द्विवेदी, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
2. नाट्यशास्त्र (प्रथम अध्याय) – डॉ. धर्मेन्द्रसिंह देव, संस्कृत परिषद, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
3. चतुष्टयी, सं. प्रो. कुसुम भूरिया, म.प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी भोपाल।
4. मध्यमव्यायोग, भास, श्रीराम जी मिश्र, चौखम्बा–सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
5. दशरूपक (धनंजयकृत) – चौखम्बा–सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

सहायकग्रन्थ :–

1. संस्कृत सुकवि समीक्षा, बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, शरदानिकेतन, वाराणसी, 2001
3. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी
4. महाकवि भास, एकअध्ययन, बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
5. नाट्यशास्त्र का इतिहास, डॉ. पारसनाथ द्विवेदी, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
6. नाट्यशास्त्रीयानुसन्धानम्, प्रो. रामजी उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

M. A. III -Sem. **Sanskrit**	**SAN-OE- 327** **संस्कृत सम्भाषण एवं अनुप्रयोग**
कुल अध्ययन काल खण्ड/व्याख्यान– 30 2 व्याख्यान ×15 सप्ताह प्रति सेमस्टर	**L T P C** **2 0 0 2**

इकाई 1 **सम्भाषण द्वारा** –: परिचय, क्रियापद, संख्या, समय, वचन, दिनचर्या, धातु, वर्ण–रुचि–वंधु–भोजनसंबधी शब्द, वाहन–वेश–भूषा–शरीरावयव–प्राणी– क्रमवाचकशब्द,। (L-6)

इकाई 2 **सम्भाषण द्वारा** –: विशेषण–विशेष्य, अव्यय, वाक्यप्रकार, प्रत्यय, सर्वनाम, विभक्ति, अजन्त हलन्त शब्द। (L-6)

इकाई 3 अनुप्रयोग – कारक (विशेष अध्ययन) एवं लकार–लट्, लृट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ्। (L-6)

इकाई 4 शतृ, शानच्, चित्, चन, णिजन्त, कृदन्त (L-6)

इकाई 5 कर्मणि प्रयोग, वाच्य परिवर्तन, अनुवाद– हिन्दी से संस्कृत, संस्कृत से हिन्दी। (L-6)

मूलग्रन्थ :–

1. संस्कृत स्वाध्याय (प्रथमा दीक्षा) – राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली।
2. भाषा प्रवेश (प्रथम एवं द्वितीय भाग) – संस्कृत भारती, नई दिल्ली।
3. कारकम् – संस्कृत भारती, नई दिल्ली।
4. शतृशानजन्त मंजरी – संस्कृत भारती, नई दिल्ली।
5. णत्वणिजन्तम् – संस्कृत भारती, नई दिल्ली।

सहायकग्रन्थ :–

1. प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी
2. रचनानुवादकौमुदी, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी
3. प्रौढरचनानुवादकौमुदी, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी
4. अष्टाध्यायीसहजबोध, पुष्पा दीक्षित,